दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 27 नवंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 60

अमृतसर में बीएसएफ ने मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन, पठाकोनट में घुसपैठ की कोशिश को किया नाकाम

पठानकोट (आरएनएस)। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान लगातार घुसपैथठ के चक्कर में रहता है। शुक्रवार रात भी पंजाब में भारत पाक सीमा पर अमृतसर में बार्डर सिक्यूरिटी फोर्स के जवानों ने भारत-पाक सीमांत गांव दाओके के पास पाकिस्तानी ड्रोन क्वाडकॉप्टर डीजेआई मेट्रिक्स 300 आरटीके (चीन में निर्मित) को मार गिराया।

सीमांत इलाके में गश्त कर रहे बीएसएफ के जवानों ने दाओके क्षेत्र में पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ड्रोन की आवाज सुनी। जवानों ने लाइट फायर के साथ ही ड्रोन पर फायर कर दिए। एक गोली ड्रोन को लगी और वह आकाश से नीचे जमीन पर गिर गया। बीएसएफ जवानों ने इसके तुरंत बाद पूरे इलाके को घेर लिया। संदेह है कि यह ड्रोन हथियारों या नशीले पदार्थों की खेप गिराने आया था। जवानों ने पूरे इलाके में सर्च अभियान शुरु कर दिया, जिसमें अभी तक जवानों को कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली।

भारत पाक सीमा क्षेत्र पहाड़ीपुर और जैतपुर बीएसएफ पोस्ट के बीच बीती देर रात पाकिस्तानी की ओर से घुसपैठ की नाकाम कोशिश की गई। सीमा सुरक्षा बल की ओर से जब फायरिंग की गई तो घुसपैठिए वापस पाकिस्तान की ओर भाग गए। सूचना यह भी मिल रही है कि पाकिस्तान की ओर से भी कुछ रौंद फायर किए गए। जबकि, भारतीय जवानों ने सात राउंड फायर कर घुसपैठियों को पीछे भागने के लिए मजबूर कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीती देर रात भारत पाक सीमा जीरो लाइन स्थित पहाड़ीपुर और जैतपुर बीएसएफ पोस्ट के बीच पाकिस्तान की साइड से 2 लोगों ने भारतीय सीमा पार करने की कोशिश की गई। सजग बीएसएफ जवानों ने घुसपैठियों पर गोलियां चलाई। जिसके बाद घुसपैठिए वापिस पाकिस्तान की ओर भाग गए सूत्रों के मुताबिक बीएसएफ के सीसीटीवी में उक्त घुसपैठिए कैद हुए हैं। जोकि भारतीय सीमा के पिलर के पास कुछ संदिग्ध वस्तु गिराते देखे गए। अब सीमा सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस और घातक कमांडो की ओर से उक्त इलाके की घेराबंदी की की जा चुकी है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फिलहाल, भारत-पाक सीमा से सटे पठानकोट जिले में यह पहली वारदात है। लेकिन, इससे पहले कई बार ड्रोन गतिविधियां हो चुकी है। जिसको लेकर सीमा सुरक्षा बल और सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस पुलिस की ओर से सतर्कता बरती जा रही है। सेना से जुड़े सूत्रों का कहना है कि आगामी दिनों में धुंध बढऩे के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और भी चाक-चौबंद किया जाएगा

तरनतारन में पाकिस्तान से आया ड्रोन खदेड़ा

शुक्रवार-शनिवार की मध्यकालीन रात्रि समय 1.11 बजे पाकिस्तान ड्रोन जिला तरनतारन के सीमांत क्षेत्र में घुसा। लगभग 4 मिनट तक उपस्थिति दर्ज की गई। 21 राउंड फायरिंग एवं 2 रोशनी बम दागने के उपरांत, उसे खदेड़ दिया गया। सर्च ऑपरेशन निरंतर जारी हैं। इस बात की पुष्टि ,सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ प्रवक्ता ने की।

बीओपी टी जे सिंह की 103 बटालियन , भारत-पाक सीमांत क्षेत्र में गश्त कर रही थी। शुक्रवार-शनिवार की मध्यकालीन रात्रि गश्त टीम ने किसी चीज की आवाज सुनाई दी। टीम सतर्क हुई तो देखा कि आसमान में ड्रोन घूम रहा हैं। टीम एकदम सतर्क हो गई। टीम ने 21 फायरिंग तथा 2 इलू बम दागे। लगभग 4 मिनट तक ड्रोन की उपस्थिति दर्ज की गई। उसे भारतीय क्षेत्र से खदेड़ दिया गया।

गौरतलब है कि दुश्मन देश पाकिस्तान, भारत में ड्रोन का इस्तेमाल कर नशा, हथियार की खेप भेजता हैं। लेकिन, बीएसएफ की टीम हर बार पाकिस्तान के मंसूबों को नाकाम कर देते हैं। फिलहाल, सर्च ऑपरेशन अल-सुबह से जारी हैं। किसी प्रकार से संदिग्ध वस्तु मिलने की बात के बारे कोई पुष्टि नहीं हुई। गहनता से जांच-पड़ताल जारी हैं।

घना कोहरे में देश-विरोधी ताकतें हो जाती सक्रिय

रक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि अक्सर घने धुंध एवं कोहरे के समय पाकिस्तान देश की नापाक हरकतों में इजाफा हो जाता हैं। वह इन परिस्थितियों का फायदा लेने के लिए हर बार इस प्रकार के प्रयत्न करता रहता हैं। लेकिन, भारतीय रक्षा की अत्याधुनिक तकनीक एवं सीमा सुरक्षाबलों की सतर्कता, इन नापाक हरकतों को हर बार विफल कर देते हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

अवैध हथियार की फैक्ट्री पकड़ी, चार गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार बरामद

गाजियाबाद (आरएनएस)। थाना भोजपुर पुलिस एवं एसओजी ग्रामीण गाजियाबाद ने अवैध असलाह बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड किया है। पुलिस ने छापेमारी कर 4 अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से भारी मात्रा मे निर्मित, अर्ध-निर्मित अवैध असलाह व अवैध असलाह बनाने के उपकरण बरामद किया है। गाजियाबाद पुलिस ने होने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव के मद्देनजर बदमाशों को पकडऩे की मुहिम चला रखी है इसी मुहिम के पुलिस ने गाजियाबाद में छापेमारी की और अवैध असलाह की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह फैक्ट्री बंद पड़े मकान में चलाई जा रही थी यहां से पुलिस को बड़ी संख्या में अर्ध निर्मित और निर्मित असलहे बरामद हुए हैं। थाना भोजपुर पुलिस ने फरीदनगर इलाके में बने कांशीराम आवासीय योजना के अंदर बंद बड़े फ्लैट में चल रही इन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां पर आसलहों की डिलीवरी करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बाइक और कार को भी जब्त किया है।

प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लगने से मची अफरा तफरी

दमकल की पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका

कानपुर (आरएनएस)। रेल बाजार थानाअंतर्गत जीआरपी बैरक के पीछे व्यापारी के प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा तफरी मच गई। आसपास रहने वालों में दहशत फैल गई और जानकारी होते ही जीआरपी इंस्पेक्टर भी फोर्स लेकर बचाव कार्य के लिए पहुंच गए। थाना पुलिस ने दमकल जवानों को बुलवाकर आग बुझाने की मशक्कत शुरू की और पांच गाडिय़ों की मदद से काबू पाया जा सका। रेल बाजार थाना क्षेत्र में जीआरपी की बैरक के पीछे प्लास्टिक कारोबारी का गोदाम है। शनिवार की दोपहर अचानक गोदाम में रखे माल में आग लग गई। कुछ ही देर में आग विकराल हो गई और भीषण लपटें बाहर तक आने लगीं। इससे आसपास के लोग दहशतजदा हो गए और बाहर निकल आए। जानकारी होते ही जीआरपी इंस्पेक्टर राम कृष्ण द्विवेदी अपनी टीम के साथ पहुंचे। हालांकि जांच के बाद बैरग तक आग न पहुंचने की जानकारी हुई। रेल बाजार थाना पुलिस की सूचना पर करीब आधा घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंच गई। 4 से 5 गाडिय़ां के साथ फायर ब्रिगेड कर्मचारी आग बुझाने की कोशिश में लगे रहे। जीआरपी बैरक के पीछे रेलवे की संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

टॉय ट्रेन से कटकर शिक्षिका की दर्दनाक मौत , चिडिय़ाघर में परिवार के साथ घूमने आई थी

कानपुर (आरएनएस)। शहर में दर्दनाक हादसा हो गया है। शनिवार दोपहर नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित चिडिय़ाघर में टॉय ट्रेन से कटकर शिक्षिका की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला ट्रेन में बैठने के दौरान पिलर से

फंसकर ट्रेन के पहिया के नीचे आ गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक,महिला शिक्षिका का नाम अंजू शर्मा (40) है। महिला प्राइमरी स्कूल की टीचर है। महिला के पति सुबोध शर्मा,बेटे अविरल और अदिति के साथ चिडिय़ाघर आई थी। बेटी अदिति ने रोते हुए एसीपी कर्नलगंज मो.अकमल खान को बताया कि हम चार लोग चिडिय़ाघर घूमने आए थे। मैं,पापा,भाई टॉय ट्रेन में चढ़ गए थे। मम्मी आ रही थी। इस दौरान बीच में एक खंभा था। उससे लड़ गई। नीचे गिर गई। धीरे-धीरे ट्रेन चलने लगी। मम्मी के ऊपर ट्रेन चढ़ गई। मैं चिल्लाई ट्रेन रोको-रोको, मगर ड्राइवर ने नहीं रोका। मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि टीचर के शव को कब्जे में लिया गया है। आगे की जांच की जा रही है। जांच में अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महरौली हत्याकांड : दिल्ली की अदालत ने आफताब को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वॉकर की हत्या के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उसे अंबेडकर अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए साकेत कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया था। उसे अब तिहाड़ जेल शिफ्ट किया जाएगा। आगे के ब्योरे की प्रतीक्षा है।

विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) सागर प्रीत हुड्डा ने पॉलीग्राफ टेस्ट में आगे की कार्यवाही के लिए आरोपी को पेश करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, पूनावाला

का नार्को टेस्ट सोमवार को होने की संभावना है। शुक्रवार को उसका पॉलीग्राफ टेस्ट भी अधूरा रह गया था।

22 नवंबर को पिछली सुनवाई के दौरान पूनावाला ने अदालत से कहा था कि उसे वॉकर ने उकसाया था। न्यायाधीश ने तब उससे पूछा कि क्या पूछताछ के दौरान उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया या कोई समस्या थी। आफताब ने अदालत से कहा था कि वह सहयोग कर रहा है, लेकिन वह सब कुछ एक बार में याद नहीं कर सकता है और जब वह करेगा तो सूचित करेगा। उसने न्यायाधीश को यह भी बताया कि उसे उकसाया गया था जिसके कारण उसने श्रद्धा की हत्या की।

वॉकर और पूनावाला 2018 में डेटिंग ऐप बंबल के जरिए मिले थे। वह 8 मई को दिल्ली आए थे और 15 मई को छतरपुर इलाके में शिफ्ट हो गए। 18 मई को पूनावाला ने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर के 35 टुकड़े कर दिए। 18 दिनों तक वह उसके शरीर के अंगों को विभिन्न स्थानों पर फेंकता रहा। वह कथित तौर पर अमेरिकी क्राइम शो डेक्सटर से प्रेरित था, जो एक ऐसे व्यक्ति की कहानी कहता है, जो दोहरी जिंदगी जीता है।

इसरो ने एक साथ लॉन्च किए 9 सैटेलाइट, भूटान के लिए भी अंतरिक्ष में गया खास सैटेलाइट

श्रीहरिकोटा (आरएनएस)। भारत के ताकतवर प्रक्षेपण वाहन पीएसएलवी-सी54 ने शनिवार को 1,117 किलोग्राम वजनी पृथ्वी की निगरानी करने वाले उपग्रह (अर्थ आब्जर्वेशन सटेलाइट) ईओएस -06 को उसकी वांछित कक्षा सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया।

इससे पूर्व पीएसएलवी एक्सएल संस्करण के इस 44 मीटर अम्बे अंतरिक्ष वाहन ने 24 घंटे की उलटी गिनती सफलतापूर्वक पूरी और उसके बाद प्रथम लॉन्च पैड से शानदार

ढंग से 1156 बजे पर अपनी 56वीं उड़ान भरी,इससे आसमान में नारंगी धुआं भर गया और इसकी गर्जना ने पृथ्वी को हिला दिया।यह अपने साथ इओएस 06 के अलावा आठ नैनो उपग्रह लेकर गया है।

यह पूरा मिशन लगभग 8,200 सेकेंड (2 घंटे और 20 मीनट) तक चलेगा,इस दौरान प्राथमिक उपग्रह और नैनो उपग्रहों को दो अलग-अलग सन सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट्स (एसएसपीओ) में प्रक्षेपित किया जायेगा। नैनो-उपग्रहों में चार एस्ट्रोकास्ट-2 उपग्रह हैं ये अमेरिका के है और इनका वजन 17.92 किलोग्राम है, दो थाइबोल्ट उपग्रह – थाइबोल्ट-1और थाइबोल्ट-2–ध्रुव अंतरिक्ष (1.45 किग्रा), आईएनएस-2 भूटानसैट (18.28 किग्रा) और आनंद पिक्सेल (16.51 किग्रा) के है। एस्ट्रोकास्ट इंटरनेट के लिए एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक उपग्रह है। उड़ान भरने के लगभग 20 मिनट बाद ,ईओएस -06 को भूमध्य रेखा की ओर 98.34 डिग्री के झुकाव के साथ 742 किमी की ऊंचाई पर प्रक्षेपित किया गया। पीएसएलवी श्रंखला का यह 44 मीटर यान अपने साथ 321 टन का भार लेकर गया है। इंजन को दो बार स्विच ऑफ करने और चौथे चरण को फिर से शुरू करने के बाद वाहन के लिए निचली कक्षा में लाया जाएगा और आठ नैनो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जायेगा।

सीमा पर गोलीबारी : शिलांग में अधिकतर कार्यालय बंद, गाड़ियां फंसी

शिलांग (आरएनएस)। मेघालय की राजधानी शिलांग में अधिकांश राज्य सरकार के कार्यालयों और कुछ बैंक पांच स्थानीय संगठनों द्वारा 22 नवंबर की गोलीबारी की घटना के विरोध में बुलाए गए असहयोग दिवस के बीच सुनसान नजर आए, गोलीबारी में पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में मेघालय के पांच नागरिकों और असम के एक वन रक्षक की मौत हो गई थी। सीमा पर हुई गोलीबारी के मद्देनजर असम से मेघालय जाने वाले वाहनों की आवाजाही चौथे दिन भी स्थगित रही।

मुख्य और अतिरिक्त सचिवालय में, विभिन्न विभागों के अधिकतम निदेशालयों में उपस्थिति बहुत कम थी क्योंकि पांच संगठनों केएसयू, एफकेजेजीपी, एचएनवाईएफ, आरबीवाईएफऔर जेएसयू- ने सीमावर्ती मुक्रोह गांव में असम पुलिस और वन रक्षकों द्वारा की गई गोलीबारी के विरोध में असहयोग दिवस का ऐलान किया था। उत्तर कोषागार और जिला परिवहन कार्यालय सहित कुछ कार्यालय पूरी तरह से

बंद रहे। आंदोलनकारी समूहों के कार्यकर्ता कथित तौर पर कई सरकारी कार्यालयों में गए और कर्मचारियों से अपने कार्यालय बंद करने को कहा। हालांकि, राजधानी शहर और इसके बाहरी इलाकों में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। राज्य सरकार ने विभिन्न संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों और प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त केंद्रीय और राज्य बलों को तैनात किया है।

पांच दबाव समूहों के प्रभावशाली निकायों में से एक, खासी छात्र संघ (केएसयू) के महासचिव डोनाल्ड वी. थबाह ने कहा कि मेघालय डेमोक्रेटिक एलायंस के आगे की कार्रवाई तय करने के लिए पांच संगठन अगले सप्ताह बैठक करेंगे। सरकार विशेष रूप से असम की सीमा से लगे क्षेत्रों में रहने वाले खासी लोगों की सुरक्षा पर उनकी जायज मांगों पर कदम उठाने में विफल रही है। पांचों संगठन अंतर्राज्यीय सीमाओं के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस चौकियां स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। थबाह ने कहा, हमारा आंदोलन असमिया समुदाय या किसी अन्य समुदाय के खिलाफ नहीं है। हमें उम्मीद है कि राज्य सरकार हमारी मांगों पर जल्द से जल्द जवाब देगी। माल लदे ट्रकों सहित मेघालय जाने वाले सैकड़ों वाहन असम में विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं। पूर्वी खासी हिल्स जिले, जिसमें शिलांग आता है, के उपायुक्त ने एक बयान में मीडिया रिपोर्टें और सोशल मीडिया पोस्ट का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि वर्तमान में जिले में पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है। बयान में कहा गया है कि तेल कंपनियों, वितरकों और राज्य के बाहर के टैंकर चालकों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को दूर किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पेट्रोलियम की आपूर्ति जिले तक पहुंचे और जनता को परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा के नेतृत्व में मेघालय कैबिनेट का एक प्रतिनिधिमंडल 22 नवंबर की घटना और अंतर-राज्यीय सीमा विवादों के बारे में चर्चा करने के लिए जल्द ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मिलने वाले है। पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के गांव और अंतर्राज्यीय सीमा के विभिन्न हिस्सों में अभी भी तनाव व्याप्त है, जिससे दोनों पड़ोसी राज्यों द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती है। असम पुलिस और वन रक्षकों ने 22 नवंबर को मुक्रोह गांव में लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को रोका और उसके बाद बड़ी संख्या में गांव के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस और वन रक्षकों को घेर लिया, जिसके बाद फायरिंग हुई।

अभिनेता विक्रम गोखले का 77 साल की उम्र में निधन

मुंबई (आरएनएस)। दिग्गज बॉलीवुड, मराठी फिल्मों, मंच और टेलीविजन अभिनेता

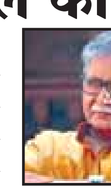

विक्रम गोखले ने दोपहर यहां एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने यह घोषणा की। वह 77 वर्ष के थे।

गोखले पिछले एक पखवाड़े से जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे और गुरुवार को कई अंगों के फेल होने के कारण उनकी स्थिति बेहद गंभीर बताई गई थी।

बाद में, मेडिकोज ने शुक्रवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और उन पर इलाज का सकारात्मक असर हो रहा है।

प्रमुख मराठी थिएटर और सिनेमा अभिनेता, चंद्रकांत गोखले के बेटे, गोखले ने संजय लीला भंसाली की रोमांटिक हम दिल दे चुके सनम (1999) जैसी प्रमुख बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय किया है, जहां वह ऐश्वर्या राय के संगीत उस्ताद पिता थे; कमल हासन की हे राम (2001); भूल भुलैया (2007) में आचार्य यज्ञप्रकाश भारती के रूप में; और प्रियदर्शन की गुदगुदाने वाली दे दना दन (2009) में एक राजनयिक के रूप में, और अग्निपथ (1990) जैसी कई अन्य।

उन्होंने 2010 में मराठी फिल्म आघात के साथ निर्देशक की भूमिका निभाई और अपनी मराठी फिल्म अनुमति के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता, और थिएटर में उन्हें उनके अभिनय के लिए 2011 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संविधान हमारी सबसे बड़ी ताकत, सब को पीछे छोड़ आगे बढ़ रहा भारत : संविधान दिवस पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान के चलते ही आज देश के गरीब और महिलाएं सशक्त हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज तमाम मुश्किलों को पीछे छोड़ आगे बढ़ रहा है। पीएम ने कहा कि युवाओं को देश के संविधान की जानकारी होना जरूरी है, जब वो इसे जानेंगे तो उन्हें कई सवालों के जवाब खुद मिलेंगे।

विश्व की निगाहें भारत पर टिकी

पीएम ने कहा कि आज के वैश्विक

हालात में पूरे विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हैं। भारत के तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसकी मजबूत वैश्विक छवि के चलते दुनिया हमें बड़ी उम्मीदों के साथ देख रही है। पीएम ने कहा कि इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान ही है।

26/11 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन मुंबई में 26/11 आतंकी हमला हुआ था। पीएम ने कहा कि 14 साल पहले जब भारत अपने संविधान और नागरिकों के अधिकारों का जश्न मना रहा था, तब मानवता के दुश्मनों ने भारत पर सबसे बड़ा आतंकी हमला किया था। हमले में जान गंवाने वालों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं।

लांच की ई-कोर्ट परियोजना

इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सबसे पहले ई-कोर्ट परियोजना की शुरुआत की। इस परियोजना के तहत वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, डिजिटल कोर्ट और जस्टिस मोबाइल एप 2.0 शुरू की जाएगी। पीएम ने लांचिंग के बाद कहा कि 1949 में आज ही के दिन स्वतंत्र भारत ने अपने लिए एक नई भविष्य की नीव डाली थी। इस बार का संविधान दिवस इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत ने अपने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले एक ट्वीट के जरिए संविधान देने वाले देश के महान नेताओं को श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र के लिए अपने दृष्टिकोण को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 2015 से 26 नवंबर के दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले, इस दिन को कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था।

अटॉर्नी जनरल बोले- सामाजिक विभाजन को मिटाने की जरूरत

अटार्नी आर वेंकटरमनी ने कार्यकर्म को संबोधित करते हुए कहा कि जाति और अन्य सामाजिक विभाजन की कुछ हानिकारक समस्याओं को मिटाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समानता का दावा जटिल है और नए विभाजन पैदा किए बिना कानून, समाज और अदालतों के बीच समन्वय के लिए आवास बनाया जाना चाहिए।

इसलिए मनाया जाता है संविधान दिवस

देश के संविधान के निर्माता डा बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को 26 नवंबर को देश संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया था। इसका उद्देश्य देश के लोगों को संविधान के बारे में जागरुक करना भी है। संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देश के हर नागरिक को हो इसके लिए संविधान दिवस मनाने का फैसला हुआ था।